DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

9 April, 2024

चैत्र शुक्लादि, उगाडी, गुड़ी पड़वा, चैती चाँद, नवरेह और साजिबु चेरोबा

संदर्भ: *चैत्र शुक्लादी की पूर्व संध्या पर, भारत की राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देशवासियों को उगाडी, गुड़ी पड़वा, चैती चाँद , नवरेह और साजीबू चेराओबा की बधाई और शुभकामनाएं दी है।*

- भारतीय नव वर्ष की शुरुआत का प्रतीक ये उत्सव हमारी आस्था और विरासत का प्रतीक हैं।
- वे हमारे समाज में सामाजिक सद्भाव और एकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- इसके अतिरिक्त, ये सभी त्योहार प्रकृति के प्रति कृतज्ञता की अभिव्यक्ति के रूप में कार्य करते हैं।

➢ **चैत्र शुक्लादि:**

- उगाडी और गुड़ी पड़वा के रूप में भी मान्यता प्राप्त, चैत्र शुक्लादी पारंपरिक हिंदू कैलेंडर में नए वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है।
- प्रतिवर्ष अप्रैल या मार्च में मनाया जाने वाला यह त्योहार अमावस्या के बाद चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन मनाया जाता है।
- यह दिन भगवान ब्रह्मा को समर्पित है और फसल कटाई के मौसम की शुरुआत का प्रतीक है।
- हालाँकि विभिन्न भारतीय राज्यों में रीति-रिवाज अलग-अलग होते हैं, कई लोग दिन की शुरुआत तेल स्नान से करते हैं और विशेष प्रार्थना करने के लिए मंदिर की तीर्थयात्रा शुरू करते हैं।

➢ **उगाडी**

- संवत्सराडी के रूप में जानी जाने वाली उगाडी आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और गोवा जैसे राज्यों में नए वर्ष की शुरुआत का द्योतक है।
- भारतीय चंद्र कैलेंडर के चैत्र महीने के पहले दिन मनाया जाने वाला, यह अमावस्या के बाद पहले चंद्रमा के आगमन का प्रतीक है।
- इन त्योहारों में जटिल कोलामुलु या रंगोलियों का निर्माण, आम के पत्तों (तोरण) के साथ दरवाजों को सजाना, दान देना, स्नान अनुष्ठान, तेल की मालिश, विशेष भोजन (पचड़ी) की तैयारी और मंदिर की यात्राएं इत्यादि शामिल हैं।
- कर्नाटक में सौरमान पंचांग प्रणाली के अनुयायी उगाडी का पालन करते हैं, जब सूर्य मेष राशि के माध्यम से पारगमन करता है, यह पारगमन बैसाखी त्योहार के सामान होता है।

➢ **गुड़ी पड़वा:**

- गुड़ी पड़वा मराठी और कोंकणी समुदायों के लिए पारंपरिक नव वर्ष को चिह्नित करने वाला एक वसंत उत्सव है।
- महाराष्ट्र, गोवा और मध्य प्रदेश जैसे क्षेत्रों में मनाया जाने वाला, यह त्यौहार चैत्र महीने के पहले दिन पड़ता है, जो नए वर्ष की शुरुआत को दर्शाता है।
- त्योहारों में जीवंत फर्श की सजावट (रंगोली) और फूलों, आम के पत्तों और चीनी के क्रिस्टल से सजाए गए एक विशेष गुड़ी ध्वजा का प्रदर्शन शामिल है।

➢ **चैती चाँद:**

- सिंधी समुदाय चैती चाँद को अपने नए वर्ष और भगवान झूलेलाल के उदय दिवस के रूप में मनाता है।
- उत्सव में भगवान झूलेलाल की प्रार्थना और ताहिरी (मीठे चावल) और साई भाजी जैसे व्यंजन तैयार किए जाते हैं।

➢ **नवरेह:**

- नवरेह कश्मीरी हिंदू नव वर्ष का पहला दिन है, जो संस्कृत शब्द नव वर्ष से लिया गया है।
- देवी शारिका को समर्पित इस दिन को श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया जाता है।

➢ **साजिबू चेराओबा:**

- साजिबू नोंगमा पनबा, या मीतेई चेराओबा, मणिपुर में सनमाही धर्म के अनुयायियों का चंद्र नव वर्ष का त्योहार है।
- यह नाम मणिपुरी शब्दों से लिया गया है जिसका अर्थ है साजिबू महीने का पहला दिन, जो नए वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है।

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रमोशन स्कीम (EMPS) 2024

सन्दर्भ: *भारत ने 1 अप्रैल, 2024 को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रमोशन स्कीम (EMPS) 2024 को लागू किया।*

➢ **EMPS का परिचय:**

- EMPS का उद्देश्य मांग प्रोत्साहन के माध्यम से इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहनों को अपनाने को बढ़ावा देना है।
- यह देश में एक इलेक्ट्रिक वाहन (EV) विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना चाहता है।
- यह पहल फेम (FAME) II के दूसरे पुनरावृत्ति के समापन का अनुसरण करती है, जिसने विद्युत गतिशीलता की ओर बदलाव को प्रभावित किया।

➢ **FAME II क्या है ?**

- 11, 500 करोड़ रुपये के बजट के साथ 2019 से 2024 तक चलने वाले FAME II ने इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने का समर्थन किया है।
- इसने दो और तीन-पहिया, वाणिज्यिक चार-पहिया और बसों सहित 1.74 मिलियन वाहनों को लक्षित किया है।
- 500 करोड़ रुपये के कम बजट के साथ EMPS विशेष रूप से चार महीने के लिए 370,000 इलेक्ट्रिक दोपहिया, ई-रिक्शा और इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा का समर्थन करता है।

➢ **बिक्री लक्ष्यों की तुलना- FAME बनाम EMPS:**

- FAME II ने शुरू में 10,000 करोड़ रुपये आवंटित किए, बाद में बढ़कर 11,500 करोड़ रुपये हो गए, और 1.74 मिलियन वाहनों का समर्थन किया।
- EMPS विशेष रूप से इलेक्ट्रिक दोपहिया, ई-रिक्शा और इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा के लिए चार महीनों में 500 करोड़ रुपये आवंटित करता है।

➢ **प्रोत्साहन संरचना - FAME II बनाम EMPS**

- EMPS बैटरी क्षमता के आधार पर प्रोत्साहन प्रदान करता है, जो कारखाने से पहले की लागत का 15% या विभिन्न वाहन खंडों के लिए पूर्व निर्धारित राशि पर सीमित है।
- FAME II में निम्न सीमाएँ लागू थीं, जो बैटरी क्षमता और पूर्व-कारखाने की लागत के प्रतिशत के आधार पर उच्च प्रोत्साहन प्रदान करती थीं।

➢ **EMPS के साथ चुनौतियां:**

- EMPS के लिए ओईएम, डीलरों और वाहनों के ऑनलाइन पुनः पंजीकरण की आवश्यकता होती है, जिससे सब्सिडी पात्रता प्रभावित होती है।
- प्रमाणन अनुमोदन में देरी के परिणामस्वरूप वाहनों को सब्सिडी के बिना बेचा जा सकता है, जिससे उपभोक्ता की मांग प्रभावित हो सकती है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

➢ **दोपहिया और तिपहिया वाहन सम्बन्धी कारक:**

- EMPS उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है जिन्होंने भारत में इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने को प्रेरित किया है, विशेष रूप से दोपहिया और तिपहिया।
- इन क्षेत्रों ने लगातार वृद्धि और मांग दिखाई है, जिससे वे प्रोत्साहन के लिए प्रमुख क्षेत्र बन गए हैं।

➢ **प्रोत्साहनों का क्रमिक चरण:**

- राजकोषीय स्थिरता और बाजार संचालित विकास के लिए वित्तीय सहायता में धीरे-धीरे कमी लाना आवश्यक है।
- शून्य-उत्सर्जन जनादेश और मजबूत गैर-राजकोषीय रणनीतियों जैसे अन्य उपाय प्रोत्साहन चरण-आउट कार्यक्रमों के पूरक हो सकते हैं।

वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (VVPAT)

सन्दर्भ: *उच्चतम न्यायलय ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (VVPAT) पर्ची के 100% सत्यापन के लिए याचिकाओं पर शीघ्र ही विचार किया जाएगा।*

➢ **क्या है वीवीपीएटी मशीन?**

- वीवीपीएटी मशीन ईवीएम की मतपत्र इकाई से जुड़ी होती है और मतदाता की पसंद के साथ कागज की एक पर्ची छापकर डाले गए वोट का दृश्य सत्यापन प्रदान करती है।
- यह मतदाता के सत्यापन के लिए सात सेकंड के लिए एक कांच की खिड़की के पीछे उम्मीदवार की क्रम संख्या, नाम और पार्टी का प्रतीक प्रदर्शित करता है।
- सत्यापन के बाद पर्ची नीचे एक डिब्बे में गिर जाती है और मतदाता इसे घर नहीं ले जा सकता है।

➢ **चुनाव आयोग ने वीवीपीएटी की शुरुआत क्यों की?**

- वीवीपीएटी मशीन का विचार 2010 में ईवीएम आधारित मतदान प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए राजनीतिक दलों के साथ चर्चा के दौरान सामने आया था।
- विभिन्न स्थानों पर फील्ड परीक्षण किए गए, जिससे फरवरी 2013 में एक ईसी विशेषज्ञ समिति द्वारा डिजाइन को मंजूरी दी गई।
- चुनाव संचालन नियम, 1961 को वी. वी. पी. ए. टी. को समायोजित करने के लिए संशोधित किया गया था, और इसका उपयोग पहली बार 2013 में नागालैंड में जून 2017 तक चरणबद्ध तरीके से किया गया था।

➢ **केवल पाँच मतदान केंद्रों की वीवीपीएटी पर्चियों की बेतरतीब ढंग से गिनती क्यों की जाती है?**

- चुनाव आयोग ने वीवीपीएटी पर्चियों के आंतरिक ऑडिट के लिए सांख्यिकीय रूप से मजबूत नमूना आकार की मांग की और शुरू में प्रति विधानसभा क्षेत्र में एक यादृच्छिक रूप से चयनित मतदान केंद्र से पर्चियों की गिनती अनिवार्य कर दी।
- अप्रैल 2019 में उच्चतम न्यायलय के एक निर्णय के बाद, उम्मीदवारों/उनके एजेंटों की उपस्थिति में ड्रॉ द्वारा चुने गए प्रत्येक विधानसभा सीट पर गिनती को बढ़ाकर पांच मतदान केंद्रों तक कर दिया गया था।

➢ **वी. वी. पी. ए. टी. से जुड़े कानूनी मामले क्या रहे हैं?**

- वीवीपीएटी सुब्रमण्यम स्वामी बनाम भारत के चुनाव आयोग सहित कानूनी मामलों के अधीन रहा है, जिसने एक पेपर ट्रेल के प्रावधान को अनिवार्य किया था।
- वर्ष 2019 में, नायडू ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, जिसमें न्यूनतम 50% वीवीपीएटी पर्चियों की यादृच्छिक गिनती की मांग की गई, जिससे प्रति निर्वाचन क्षेत्र पांच मतदान केंद्रों से मतगणना पर्चियों की वर्तमान प्रथा शुरू हो गई।

➢ **चुनाव आयोग 50% वीवीपीएटी पर्चियों की गिनती क्यों नहीं करना चाहता?**

- चुनाव आयोग वीवीपीएटी पर्चियों के व्यापक सत्यापन का विरोध करने के कारणों के रूप में समय की कमी और बुनियादी ढांचे की सीमाओं सहित साजो-सामान संबंधी चुनौतियों का हवाला देता है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

'परिवर्तन चिंतन'

हाल ही में, रक्षा मंत्रालय ने नई दिल्ली में 'परिवर्तन चिंतन' नाम से पहला त्रि-सेवा सम्मेलन आयोजित किया, जिसकी अध्यक्षता चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने की।

परिवर्तन चिंतन के बारे में:

- परिवर्तन चिंतन सभी त्रि-सेवा संस्थानों, सैन्य मामलों के विभाग, मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ और तीन सेवाओं के प्रमुखों का एक अग्रणी पहला त्रि-सेवा सम्मेलन है।
- "परिवर्तन चिंतन" शब्द का अंग्रेजी में अनुवाद "Transformational Deliberation" (परिवर्तनकारी विचार-विमर्श) है।
- इस सम्मेलन का उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों के भीतर एक संयुक्त संस्कृति को बढ़ावा देना और युद्ध लड़ने की क्षमता, अंतरसंचालनीयता और संयुक्तता को बढ़ाने के लिए तीनों सेवाओं में क्षमताओं को एकीकृत करना है।
- इसने संयुक्तता और एकीकरण प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए विचार-मंथन और नए विचारों, पहलों और सुधारों को तैयार करने के लिए एक मंच प्रदान किया जो भविष्य की तैयारी और प्रभावी मल्टी-डोमेन संचालन के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की परिवर्तनकारी यात्रा के लिए आवश्यक है।
- विभिन्न सेवा वर्गों के अधिकारी अपनी विविध समझ और अनुभव के माध्यम से वांछित "संयुक्त और एकीकृत" अंतिम स्थिति को तेजी के साथ प्राप्त करने के उपायों की सिफारिश करेंगे।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

टीएसएटी-1ए

टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड, टाटा सन की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी ने हाल ही में अमेरिका में फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट द्वारा अपने सब-मीटर ऑप्टिकल उपग्रह, टीएसएटी -1 ए के सफलता पूर्ण प्रक्षेपण की घोषणा की है।

TSAT-1A के बारे में:

- TSAT-1A एक पृथ्वी अवलोकन उपग्रह है जिसे बैंडवैगन-1 राइडशेयर मिशन के हिस्से के रूप में लॉन्च किया गया है।
- यह अपनी मल्टीस्पेक्ट्रल और हाइपरस्पेक्ट्रल क्षमताओं के माध्यम से बढ़ी हुई संग्रह क्षमता, गतिशील रेंज और कम-विलंबता वितरण के साथ उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाली ऑप्टिकल उपग्रह छवियां प्रदान करता है।
- उपग्रह को भारत में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) द्वारा कर्नाटक में अपनी वेमागल सुविधा में असेम्बल और परीक्षण किया गया था।
- टीएएसएल ने सैटेलाइट विकास में अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए, जटिल सिस्टम एकीकरण में अपनी क्षमताओं का योगदान करते हुए, सैटेलाइटोजिक के साथ साझेदारी की।
- भारत में टीएसएटी-1ए का सफल संयोजन और परीक्षण टीएएसएल के लिए एक मील का पत्थर है और अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की बढ़ती क्षमताओं का प्रतीक है।
- TSAT-1A की उच्च-रिज़ॉल्यूशन ऑप्टिकल उपग्रह छवियों का उपयोग पर्यावरण निगरानी, कृषि, शहरी नियोजन और राष्ट्रीय सुरक्षा सहित विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए किया जाएगा, जो बेहतर निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में योगदान देगा।

सिकाडस

हाल ही में, संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रशासन ने उन स्थानों को दर्शाने वाले मानचित्र जारी किए गए हैं जहां इस मौसम में खरबों सिकाडों के उभरने की उम्मीद है।

सिकाडस के बारे में:

- सिकाडस हेमिप्टेरा गण और सिकाडिडे परिवार से संबंधित कीड़े हैं इनका जीवनचक्र अधूरा रूपांतरण वाला होता है, जिसमें अंडा, निम्फ (अवयस्क कीट) और वयस्क अवस्थाएँ शामिल होती हैं।
- सिकाडस, वयस्कों के रूप में विकसित होने से पूर्व 13 से 17 साल की लंबी अवधि भूमि के भीतर निम्फ (अवयस्क कीट) के रूप में बिताते हैं।
- आवधिक सिकाडस नियमित अंतराल पर सामूहिक रूप से उभरते हैं, जो अक्सर 13 या 17 साल जैसी अभाज्य संख्याओं के साथ सबंधित होते हैं।
- उनकी विशेषता उनकी विशिष्ट उपस्थिति है, जिसमें बड़े, झिल्लीदार पंख और प्रमुख आंखें होती हैं, जो आमतौर पर भूरे या काले रंग की होती हैं।
- उनके पास पारदर्शी पंख होते हैं और वे मादाओं को आकर्षित करने के लिए टाइमबल्स नामक विशेष संरचनाओं का उपयोग करके नर द्वारा उत्पन्न की जाने वाली तेज़ भिनभिनाहट की आवाज़ के लिए जाने जाते हैं।
- वे विशेष रूप से वन पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण पारिस्थितिक भूमिका निभाते हैं, जहां निम्फ भूमिगत पेड़ों की जड़ों को खाते हैं और वयस्क पेड़ की शाखाओं से रस पीते हैं।
- उनका उद्भव मिट्टी को पोषक तत्वों से समृद्ध करता है, पेड़ों के विकास को बढ़ावा देता है और मिट्टी के वातन की सुविधा प्रदान करता है, जो पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य में योगदान देता है।

जंक डीएनए

अंतर्राहाल ही में, डॉ. कैसी लस्किन ने "आईडी द फ्यूचर" कार्यक्रम की एक कड़ी में "जंक डीएनए" की अवधारणा पर चर्चा की, इसे गैर-कोडिंग डीएनए के बारे में विकासवादी मान्यताओं के साथ इसके जुड़ाव के कारण विज्ञान में सबसे बड़ी गलतियों में से एक के रूप में उजागर किया।

जंक डीएनए के बारे में:

- जंक डीएनए जीनोम के भीतर गैर-कोडिंग डीएनए अनुक्रम होता है जिनका सीधा प्रोटीन-कोडिंग कार्य नहीं होता है। मनुष्यों में, जीनोम का केवल लगभग 1.5% ही प्रोटीन के लिए कोड करता है, जबकि शेष को 'जंक' डीएनए माना जाता है।
- शुरुआत में इसे कोई कार्य न करने वाला समझा जाता था, लेकिन अब "जंक" डीएनए को विभिन्न नियामक भूमिकाएँ निभाने के लिए जाना जाता है।
- यह विकास के दौरान और पर्यावरणीय उत्तेजनाओं के जवाब में जीन कब और कहाँ सक्रिय या निष्क्रिय होते हैं, इसे नियंत्रित करता है।
- इसमें ट्रांसपोज़ेबल तत्व होते हैं जो डीएनए के अनुक्रम होते हैं जो जीनोम के भीतर स्थानांतरित या स्थानापन्न हो सकते हैं। एक उदाहरण अलु तत्व है, जो प्राइमेट के लिए अद्वितीय है और जीनोमिक विविधता और विकास में योगदान देता है।
- इसमें जीन अभिव्यक्ति को प्रभावित करने वाले नियामक अनुक्रम होते हैं।
- इसमें प्रमोटर, एन्हांसर और साइलेंसर शामिल हैं, जो पास के जीनों की गतिविधि को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

सुर्खियों में स्थल

दक्षिण कोरिया

हाल ही में, स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट पर अमेरिकी अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च होने के बाद, दक्षिण कोरिया ने 8 अप्रैल, 2024 को अपना दूसरा घरेलू स्तर पर निर्मित जासूसी उपग्रह स्थापित किया।

दक्षिण कोरिया (राजधानी: सियोल)

अवस्थिति : दक्षिण कोरिया पूर्वी एशिया में स्थित है और कोरियाई प्रायद्वीप का दक्षिणी भाग है।

सीमाएँ: दक्षिण कोरिया की सीमाएँ उत्तर में डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ़ कोरिया (उत्तर कोरिया), पूर्व में पूर्वी सागर (जापान सागर), दक्षिण में पूर्वी चीन सागर, पश्चिम में पीला सागर और कोरिया जलडमरूमध्य, जो इसे जापान के त्सुशिमा द्वीप से अलग करता है।

भौतिक विशेषताएं:

- हालासन दक्षिण कोरिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी है।
- ताएबेक पर्वत और सोबेक पर्वत दोनों दक्षिण कोरिया में पर्वत श्रृंखलाएं हैं।
- दक्षिण कोरिया की हान नदी कोरियाई प्रायद्वीप की चौथी सबसे लंबी नदी है।

POINTS TO PONDER

- 'विश्व स्वास्थ्य दिवस 2024' का विषय क्या है? – **मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार**
- पेरिस में आयोजित होने वाले 33वें ग्रीष्मकालीन ओलंपिक 2024 में जूरी सदस्य नियुक्त होने वाले पहले भारतीय कौन बन गए हैं? – **बिल्किस मीर**
- हाल ही में खबरों में रहा फणिगिरि बौद्ध स्थल किस राज्य में स्थित है? – **तेलंगाना**
- हाल ही में किस स्थान पर भारतीय तटरक्षक जलीय केंद्र का उद्घाटन किया गया है? – **रामेश्वरम, तमिलनाडु**
- चंद्र ध्रुवीय अन्वेषण मिशन (LUPEX), जो हाल ही में समाचारों में देखा गया, किन दो अंतरिक्ष एजेंसियों के बीच एक संयुक्त मिशन है? – **इसरो और जाक्सा**